228

(11)

कार्यालय मुख्य अभियंता, कुमायूँ क्षेत्र
लोक निर्माण विभाग, अल्मोड़ा

(34)

पत्रांक 95/ ए–5/कुमायूँ /2011 दिनांक 09–11–2011

सेवा में

अधिशासी अभियंता,
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0विभाग,
बागेश्वर।

विषयः– जनपद बागेश्वर में गरूड़–कौसानी मोटर मार्ग से दयोरणा होते हुऐ कपलेश्वर तक मोटर मार्ग के 3.00 कि0मी0 सड़क संरेखन का भू–गर्भीय निरीक्षण।
जनपद बागेश्वर में गरूड़–कौसानी मोटर मार्ग से दयोरणा होते हुऐ कपलेश्वर तक मोटर मार्ग के 3.00 कि0मी0 सड़क संरेखन का भू–गर्भीय निरीक्षण आख्या संख्या जी–95/ सड़क संरेखण/ कुमायूँ / 2011 की एक प्रति सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है।

9.11.2011

संलग्नकः– उपरोक्तानुसार

(मणि कर्णिका मिश्र)
भूवैज्ञानिक
कार्यालय मुख्य अभियंता,कुमायूँ क्षे0
लो0नि0विभाग,अल्मोड़ा

पत्रांक 95/ ए–5/ कुमायूँ / 2011 तद्दिनांक

प्रतिलिपि :–

1– अधीक्षण अभियंता, प्रथम वृत, लो0नि0वि0, अल्मोड़ा को उपरोक्त आख्या की एक प्रति सहित् सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित्।

2– वरिश्ठ भूवैज्ञानिक, लो0नि0वि0, देहरादून को उक्त आख्या की एक प्रति सहित सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित्।

3– भूवैज्ञानिक, लो0नि0वि0, अल्मोड़ा को उक्त आख्या की एक प्रति सहित सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित्।

संलग्नः– उपरोक्तानुसार प्रत्येक।

भूवैज्ञानिक
लो0नि0विभाग,अल्मोड़ा

2.28

(12)

(34 A)

कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, अल्मोड़ा

कुमॉयू क्षेत्र

उत्तराखण्ड शासन

भूगर्भीय निरीक्षण आख्या जी 90/सड़क संरेखण/कुमायूँ /

2011

जनपद बागे□वर में गरूड़–कौसानी मोटर मार्ग से द्योरणा होते हुऐ कपले□वर तक मोटर मार्ग के 3.00 कि0मी0 सड़क संरेखन का भू–गर्भीय निरीक्षण आख्या।

नवम्बर 2011

जनपद बागेश्वर में गरूड़–कौसानी मोटर मार्ग से दयोरणा होते हुऐ कपलश्वर तक मोटर मार्ग के 3.00 कि0मी0 सड़क संरेखन का भू–गर्भीय निरीक्षण आख्या।

1– प्रस्तावनाः–

जनपद बागेश्वर में गरूड़–कौसानी मोटर मार्ग से दयोरणा होते हुऐ कपलेश्वर तक मोटर मार्ग के 2.00 कि0मी0 भाग का बनाना प्रस्तावित है। अधिशासी अभियंता प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बागेश्वर के अनुरोध पर स्थल का निरीक्षण दिनांक 08.11.2011 को श्री विनोद कुमार, सहायक अभियंता एवं हरि सिंह बसेड़ा ,कनिश्ठ अभियन्ता प्रान्तीय खंड, लो0नि0विभाग, बागेश्वर के साथ अधोहस्ताक्षरी द्वारा किया गया । स्थल का निरीक्षण, स्थल संरचना व बनावट भूगर्भीय एवं पर्यावरणीय परिस्थितियों के अध्ययन हेतु किया गया ताकि इस मोटर मार्ग के निर्माण हेतु आवश्यक सुझाव दिया जा सके ।

2–स्थितिः–

1. यह संरेखन बागेश्वर में गरूण–कौसानी मोटर मार्ग के कि0मी0 58 से प्रारम्भ होता है।
2. भारतीय सर्वेक्षण विभाग के अनुसार कलौटा.........—.........अक्षांश तथा.........—.........देशान्तर पर स्थित है।

3– भूगर्भीय स्थितिः–

यह संरेखन कुमायूँ लेसर हिमालय के अन्तर्गत अल्मोडा वर्ग के ग्रेनाइट–ग्रेनोडायोराइट वर्ग के नाइस–शिष्ट फार्मेशन एवं रामगढ़ वर्ग के क्वार्टजाईट फोरमेशन में फैला हुआ है । स्थल क्षेत्र में मिट्टी के रंग की महीन एवं मोटे पर्तवाली क्वार्टजाईट–नाइस–शिष्ट चट्टानें तीन प्रकार के ज्वाइन्ट से पूर्ण दक्षिणपूर्व दिशा के झुकाव के साथ विद्यमान है । इस संरेखन में चट्टानों में किया गया अध्ययन निम्नवत् है।

1.	130 – 310	/ पूर्वोत्तर	/	31^0	नति
2.	130 – 310	/ पूर्वोत्तर	/	33^0	नति
3.	130 – 310	/ पूर्वोत्तर	/	35^0	नति
4.	60 – 240	/ पश्चिमोत्तर	/	55^0	संधि
5.	60 – 240	/ पश्चिमोत्तर	/	57^0	संधि
6.	60 – 240	/ पश्चिमोत्तर	/	590	संधि
7.	120– 300	/दक्षिण पश्चिम	/	350	संधि
8.	120 – 300	/दक्षिण पश्चिम	/	370	संधि
9.	120 – 300	/दक्षिण पश्चिम	/	390	संधि

(14)

(345)

चट्टानों के ऊपर डेब्रिस तथा उसके ऊपर मिट्टी की पर्त विद्यमान है। टेक्टोनिक क्रम निम्नवत् है:–

घास आदि

मिट्टी की महीन परत

डेबिस

नाइस

शिश्ट

नाइस

क्वार्टजाइट

चट्टान

चट्टानों के ऊपर घास आदि विद्यमान है। इस सम्पूर्ण संरेखन में पहाड़ी ढलान सामान्य से मध्यम स्थिति में पूर्वोत्तर दिशा को है। ~~इस संरेखण के कि0मी0 1 में 125 मी0 पर मरूम गंगा नदी विद्यमान हैं।~~

4– स्थल वर्णन :–

यह संरेखन गरूण–कौसानी मोटर मार्ग के कि0मी0, 58 से प्रारम्भ होकर कपलेश्वर ग्राम के बीच में 3.00 कि0मी0 लम्बाई में फैला हुआ है। यह संरेखन उक्त मोटर से प्रारम्भ होकर 2.00 किमी0 दक्षिणपूर्व दिशा को पूर्वोत्तर दिशा के पहाड़ी ढलान के साथ जाता है। इस संरेखण में कि0मी 1 में दयोरणा तथा कि0मी02 मे कपलेश्वर ग्रामं विद्यमान है।

इस संरेखन में कोई भी भू–स्खलन विद्यमान नही है। इस संरेखन के नाप भूमि वाले भाग में कोई भी वृक्ष नही है। इस मोटर मार्ग के निर्माण हेतु दो संरेखन स्थल देखा गया जिसमें से द्वितीय संरेखन स्थल को भू–गर्भीय एवं पर्यावरणीय दृष्टिकोण से अनुचित एवं अनुपयुक्त पाते हुए चयनित नहीं किया गया है। प्रथम संरेखन स्थल को भू–गर्भीय एवं पर्यावरणीय दृष्टिकोण से उचित एवं उपयुक्त पाते हुए चयनित किया गया है। इस संरेखन की स्थिति निम्नवत है।

5– स्थायित्व का विचार:–

इस सम्पूर्ण संरेखन में स्थल की स्थल संरचना व बनावट, स्थल वर्णन, भूगर्भीय, भूकम्पीय, भूजलीय एवं पर्यावरणीय आदि परिस्थितियों को देखते हुए इस सम्पूर्ण स्थल में मोटर मार्ग के निर्माण हेतु निम्न बिन्दुओं पर विचार करना आवश्यक है:–

(1) यह पर्वतीय क्षेत्र में है ।

(2) यह भूकम्पीय क्षेत्र में है ।

(3) पर्यावरण का ध्यान रखा जाय।

(4) इस संरेखन में सम्पूर्ण भाग बेनाप/नाप भूमि है।

(5) इस संरेखन मे कई ग्राम आते है।

(6) इस संरेखण में कोई भी पेरिनियल नाला विद्यमान नंही हैं।

(7) इस संरेखन में एक मन्दिर विद्यमान है।

(8) इस में कई सूखे नाले विद्यमान है।

(9) इस संरेखन में कोई भी भूस्खलन क्षेत्र विद्यमान नही है।

(10) इस संरेखन में पहाड़ी ढलान सामान्य से तीव्र स्थिति में है।

6— सुझावः—

इस सम्पूर्ण संरेखन मे स्थल की स्थल संरचना व वनावट, स्थल वर्णन, स्थायित्व का विचार, भूगर्भीय, भूकम्पीय, भूजलीय एवं पर्यावरणीय परिस्थतियों आदि को देखते हुए इस भाग में मोटर मार्ग निर्माण हेतु निम्न सुझाव दिये जाते हैः—

1. सूखे नालों पर स्कपर/डबल स्कपर/कल्वर्ट/कॉजवे का निर्माण किया जाय।
2. पहाड़ी की ओर नाली का निर्माण किया जाय।
3. गॉव/मिट्टी/डेब्रिस वाले भाग में आव कतानुसार ब्रेस्ट/रिटेनिंग वॉल का निर्माण किया जाय।
4. गॉव वाले भाग में विस्फोटक सामग्री का प्रयोग न किया जाय।
5. मिट्टी वाले भाग में मोटर मार्ग के वाह्य भाग को ऊँचा रखा जाय ताकि वर्शा के दिनों में पानी वाह्य भाग को पार कर न बहे जिससे मार्ग यथावत बना रहे।
6. पर्वतीय क्षेत्र में बनने वाले मोटर मार्गो के मानकों के अनुसार उपाय किये जाय।
7. पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए मोटर मार्ग का निर्माण किया जाय।
8. भूकम्पीय मानक के अनुसार उपाय किये जाय।
9. अन्य आव यक उपाय जो मोटर मार्ग निर्माण में आव यक हो किये जाय।

7—निष्कर्ष

उपरोक्त वर्णित विन्दुओं को ध्यान में रखते हुए इस भाग में मोटर मार्ग निर्माण करना उचित एवं उपयुक्त प्रतीत होता है ।

9.11.2011

(मणि कर्णिका मिश्र)
भूवैज्ञानिक
कार्यालय मुख्य अभियंता,कुमायूँ क्षे0
लो0नि0विभाग,अल्मोड़ा

सहायक अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग
बागेश्वर